गणतंत्र दविस समारोह के लयि हरयिाणा की झाँकी का थीम होगा ‘अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव’

चर्चा में क्यों?

22 जनवरी, 2023 को हरयिाणा के सूचना, जनसंपर्क एवं भाषा वभिाग के महानदिेशक डॉ. अमति अग्रवाल ने बताया कि गणतंत्र दविस समारोह में इस बार 26 जनवरी को कर्तव्य पथ पर प्रदर्शन के लयि लगातार दूसरी बार हरयिाणा की झाँकी का चयन रक्षा मंत्रालय की वशिषज्ञ कमेटी द्वारा कयिा गया है, जसिका थीम है- ‘अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव’।

प्रमुख बदिु

- डॉ. अमति अग्रवाल ने बताया कि भारत सरकार के रक्षा मंत्रालय द्वारा गठति वशिषज्ञ कमेटी द्वारा प्रतविर्ष राज्यों, केंद्र शासति प्रदेशों व मंत्रालयों की झांकयिों के चयन की प्रक्रयिा नवंबर माह में शुरू की जाती है, जसिमें सभी राज्य, केंद्र शासति प्रदेश व मंत्रालय अपने-अपने थीम की प्रस्तुतदिेते हैं।
- वशिषज्ञ कमेटी द्वारा थीम की प्रासंगकिता व उपादेयता के आधार पर चरणबद्ध तरीके से झांकयिों का चयन कयिा जाता है। पछिले वर्ष भी ‘खेलों में नंबर वन हरयिाणा’की थीम पर आधारति झाँकी के माध्यम से हरयिाणा की खेल उपलब्धयिों को सशक्त तरीके से देश-दुनयिा के सामने प्रस्तुत कयिा गया था।
- उन्होंने बताया कि कुरुक्षेत्र को दुनयिा के सबसे प्राचीन तीर्थ स्थलों में से एक के रूप में जाना जाता है। यहाँ पवति्र नदी सरस्वती के तट पर वेदों और पुराणों की रचना हुई। लगभग 5159 वर्ष पहले महाभारत युद्ध के पहले दनि भगवान श्रीकृष्ण ने कुरुक्षेत्र के युद्ध के मैदान में अर्जुन को श्रीमद्भगवद्गीता का शाश्वत संदेश दयिा, इसलयि कुरुक्षेत्र की पहचान गीता के जन्म स्थल के रूप में होती है।
- डॉ. अमति अग्रवाल ने बताया कि गीता के अमर संदेश की जयंती की वर्षगांठ को कुरुक्षेत्र में हर साल अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव के रूप में मनाया जाता है। 18 दनिों तक चलने वाले अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव का उद्देश्य श्रीमद्भगवद्गीता के वैश्वकि व प्रेरणादायक संदेश का प्रसार करना और दुनयिा को शांत,ि सद्भाव तथा सार्वभौमकि भाईचारे के संदेश से आलोकति करना है।
- उन्होंने बताया कि वर्ष 2018 में हरयिाणा सरकार ने दुनयिा के अन्य हस्सिों में गीता के सनातन संदेश को फैलाने के उद्देश्य से अन्य देशों में भी अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव मनाने का नरि्णय लयिा और वर्ष 2019 में पहली बार अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव मॉरीशस व लंदन में आयोजति कयिा गया। वर्ष 2022 में कनाडा में भी अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव मनाया गया।
- सूचना, जनसंपर्क एवं भाषा वभिाग के महानदिेशक ने बताया कि गणतंत्र दविस परेड में हरयिाणा की झाँकी पर प्रस्तुत गीता का संदेश मानवजाति के लयि सबसे बड़ी बौद्धकि देन है। कर्म का यह शाश्वत संदेश पूरी मानवता के लयि अनुकरणीय है।
- उन्होंने बताया कि झाँकी में भगवान श्रीकृष्ण को अर्जुन के सारथी के रूप में सेवा करते हुये और उन्हें गीता का ज्ञान देते हुए दखिाया गया है। झाँकी की पहली झलक आध्यात्मकिता, कला और इतहिास के दर्शन कराती है।
- ट्रैक्टर खंड की शुरुआत में भगवान श्रीकृष्ण के ‘वरिाट स्वरूप’ के दर्शन होते हैं, जैसा कि युद्ध भूमि पर उन्होंने अर्जुन के सामने प्रदर्शति कयिा था। वरिाट स्वरूप की प्रदर्शति प्रतमिा में श्री वष्णिु के 9 सरि क्रमश: अग्न,ि नृसहि, गणेश, शवि, वष्णिु, ब्रह्मा, अश्वनिी कुमार, हनुमान और परशुराम दखिाए गए हैं। दवि्य सर्प सरि ढके हुए हैं। श्री वष्णिु दाहनिे हाथ में तलवार, त्रशिूल, कमल, सुदर्शन चक्र और बाएँ हाथ में शंख, बरछा, धनुष, नाग, गदा आदि लयि हुए हैं। नीचे का पूरा भाग शेषनाग व लहरों को गोलाकार आकार दयिा गया है।
- ट्रेलर अनुभाग में पीछे की ओर कुरुक्षेत्र युद्ध क्षेत्र में चार घोड़ों के साथ एक भव्य रथ बनाया गया है। रथ, घोड़ों और सभी तत्त्वों को गहन ववरिण के साथ दर्शाया गया है। अर्जुन और श्रीकृष्ण के रथ पर सवार मूर्तयिों को रंगीन बनाया गया है, जबकि ट्रेलर के बाकी हस्सिे को एक ही पार्थवि छाया में बनाया गया है। झाँकी में घोड़ों से लेकर रथ तक और यहाँ तक कि जमीन की धूल भी, हर एक ववरिण स्पष्ट रूप से दखिाई देता है। ट्रेलर के कनिारों पर बना पैटर्न महाभारत युद्ध के वभिन्नि दृश्यों को दर्शाता है।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/international-gita-mahotsav-to-be-the-theme-of-haryana-tableau-for-republic-day-celebrations